Printed Pages – 2

PG-21298

M. A. (Final) Examination, 2021

SANSKRIT

Paper : Seventh

(नाट्य एवं नाट्यशास्त्र)

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 70

***नोट** : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. निम्नांकित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 14

(अ) पृथिव्यां किं दग्धाः प्रथित कुलजा भूमिपतयः,
पतिं पापे मौर्यं यदसि कुलहीनं वृतवती।
प्रकृत्या वा काश प्रभवकुसुमप्राप्तचपला,
पुरन्ध्रीनां प्रज्ञा पुरुषगुणविज्ञान विमुखी॥

अथवा

आर्याज्ञयैव मम लंघितगौरवस्य,
बुद्धिः प्रवेष्टुमिव भू विवरं प्रवृत्ता।
ये सत्यमेव हि गुरुनतिपातयन्ति,
तेषां कथं नु हृदय न भिनत्तिलज्जा॥

(ब) मुद्राराक्षस नाटक के नायकत्व का निर्धारण करते हुए उसका चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

मुद्राराक्षस के रचयिता का जीवन परिचय दीजिए।

2. अधोलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 14

(अ) भग्नं भीमेन भवतो मरुता रथनिकेतनम्।
पतितं किङ्कणी-क्वाण-बद्धाक्रन्दमिवक्षितौ॥

अथवा

आत्मारामा विहितरतयो निर्विकल्पे सनाधौ,
ज्ञानोप्सेकाद् विघटित-तमोग्रन्थयः सत्वनिष्ठाः।
यं वीक्षन्ते कमपि तमसां ज्योतिषां वा पुरस्तात्,
तं मोहान्धः कथमयममुं वेत्ति देवं पुराणम्॥

(ब) वेणी संहार नाटक के तृतीय अंक का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

द्रौपदी अथवा कर्ण का चरित्र चित्रण कीजिए।

3. (अ) निम्नांकित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 14

आवन्तिपुर्यां द्विज साथवाहो,
युवा दरिद्रः किल चारूदत्तः।
गुणानुरक्तो गणिका च यस्य,
वसन्तशोभेव वसन्त सेना॥

अथवा

एतेन मापयति भित्तिषु कर्ममार्गा—
नेतेन मोचयति भूषणसंप्रयोगान्।
उद्घाटको भवति यन्त्रदृढे कपाटै,
दष्टस्य कीटभुजगैः परिवेस्टनं च॥

(ब) मृच्छकटिक नाटक कालीन सामाजिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

मृच्छकटिक नाटक की नायिका वसन्त सेना का चरित्र चित्रण कीजिए।

4. (अ) ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 14

मधुरोद्धत भेदेन तद्द्वयंद्विविधं पुनः
लास्यताण्डवरूपेण नाटकाद्युपकारकम्॥

अथवा

अवस्थाः पञ्चकार्यस्य प्रारब्धयस्य फलार्थिभि।
आरम्भप्रयत्न प्राप्त्याशानियताप्तिफलागमाः॥

(ब) नाटक की अर्थ प्रकृतियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

''भेदैश्चतुर्धा ललितशान्तोदात्तोद्धतैयरम्'' इसके आधार पर नायक के भेदों का निरूपण कीजिए।

5. (अ) नाटक के उद्भव एवं विकास की विवेचना कीजिए। 14

अथवा

संस्कृत नाटकों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

(ब) वेणी संहार नाटक के नायकत्त्व का निर्धारण करते हुए उसका चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

निम्नांकित नाटकीय पारिभाषिक शब्दों को सोदाहरण समझाइए—

(i) विष्कम्भक (ii) विदूषक

(iii) आमुख (iv) अङ्कावतार